MT-114

2015 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - I

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

उ.**1**.	अ) **निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	पलाश का वैज्ञानिक नाम 'फ्रांडोसा, है क्योंकि **यह पूरी तरह पत्तों से ढँका होता है।**	**1**
2)	यह चिड़िया बराबर बोलती है **जुहो! जुहो! जुहो!**	**1**
	आ) **निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :**	
1)	लेकिन बिल्ली ने उधर **निगाह** तक नहीं डाली।	**1**
2)	आनंद भवन **अतिथियों** से भरा हुआ था।	**1**
3)	उनमें चलते - फिरते लोग **चींटियों** की तरह लग रहे हैं।	**1**
	इ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :**	
1)	एशिया के जीवनशास्त्री ने लोगों को सुझाव दिया है कि जब कभी अपने मित्र से बात करने बैठें, तो घड़ी का मुँह दीवार की तरफ कर दें।	**1**
2)	स्नानगृह की ओर जाते समय गांधीजी ने कहा - जो काम जिस समय करना है, करना, न करना वक्त के साथ दगाबाजी है।	**1**
3)	फूड इन्स्पेक्टर लगातार रो रहा था क्योंकि उसका तबादला हो गया था।	**1**
4)	विनायक बाबू के झल्ला जाने का कारण यह था कि साइकिल स्टैंड पर वे अपनी साइकिल लेने पहुँचे तो वहाँ ताला लगा हुआ था ।	**1**
5)	पलाश को पर्णपाती वृक्ष कहा जाता है क्योंकि वर्ष में एक बार इसके सभी पत्ते गिर जाते हैं।	**1**
	ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :**	
1)	उक्त कथन मिसरानी ने पंडित से तब कहा जब उन्होंने पूछा था कि सिर्फ बिल्ली की हत्या से तो नरक का नाम नहीं बतलाया जा सकता है, बिल्ली की हत्या का महूरत भी तो पता होना चाहिए।	**2**

2) उक्त कथन महंत के शिष्य गोवर्धनदास का है। गोवर्धनदास अपने महंत के आदेश पर नगर में भिक्षा माँगने जाता है । वहाँ पर वह कुँजड़िन से भाजी तथा हलवाई से मिठाई का भाव पूछता है । दोनों का एक ही उत्तर होता है 'टके सेर, तब गोवर्धनदास इस उत्तर को सुनकर अत्यधिक प्रसन्न होकर अपनी प्रतिक्रिया देता है, वाह ! वाह ! बड़ा आनंद है । **2**

उ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 - 70 शब्दों) में लिखिए :

1) लेखक भगवतीचरण वर्मा जी ने 'प्रायश्चित, पाठ के माध्यम से धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है। **3**

रामू की बहू मायके से प्रथम बार ससुराल आई। वह बालिका जैसी अबोध व भोली थी। पति की प्यारी व सास की दुलारी। सास ने घर -भर की सारी जिम्मेदारी बहू को सौंप दी और माला लेकर पूजा पाठ में मन लगाने लगी। भंडारघर की चाबी बहू की करधनी में लटकने लगी। नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा। बहू से कभी भंडारघर खुला रह जाता तो कबरी बिल्ली को मौका मिल जाता और वह घी दूध पर जुट जाती। रामू की बहू हाँडी में घी रखते - रखते ऊँघ गई और बचा हुआ घी कबरी के पेट में। रामू की बहू दूध ढँककर मिसरानी को कुछ सामान देने गई और दूध नदारद। रामू की बहू ने रामू के लिए कमरे में रबड़ी से भरी कटोरी रखी। रामू जब तक आए तब तक कबरी बिल्ली कटोरी में रखी रबड़ी को चट कर गई। बाजार से मलाई मँगवाई गई जब तक रामू की बहू ने पान लगाया इतने में मलाई गायब।

इस प्रकार रामू की बहू को कबरी बिल्ली ने इतना तंग किया कि उसकी जान आफत में आ गई।

2) लेखक कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर, जी ने 'आनंद का क्षण, ललित निबंध में जीवन को तनावमुक्त रखने के लिए व्यंग्यबाणों को फुलझड़ियाँ बना देने की प्रेरणा दी है। **3**

जीवनशास्त्री के देश के राष्ट्रपति ने शिक्षा के प्रचार पर विचार करने के लिए एक विदेशी विद्वान को बुलाया था। चर्चा का समय चार बजे शाम को निश्चित हुआ था। विदेशी विद्वान और राष्ट्रपति ठीक चार बजे राष्ट्रपति भवन चर्चा के लिए बैठे, पर ये महाशय नहीं आए। वे बाज़ार में कबूतरबाजी का मैच देख रहे थे। जब राष्ट्रपति ने पूछा कि इस राष्ट्रीय काम से भी ज्यादा जरूरी कबूतरों का मैच देखना था? वे बोले, यह जरूरी और बेजरूरी का या बढ़िया - घटिया का सवाल नहीं है, यह तो आनंद का प्रश्न है। यह काम बहुत जरूरी है, मैं यह बात मानता हूँ, पर अचानक जीवन में आनंद का गुदगुदाने वाला जो क्षण आ गया था, मैं भला उसकी उपेक्षा कैसे कर सकता था राष्ट्रपति महोदय।

इस तरह राष्ट्रपति और जीवनशास्त्री के बीच आनंद के क्षण को लेकर बहस हुई।

3)	लेखक डॉ. परशुराम शुक्ल जी द्वारा लिखित पाठ 'पलाश' में पलाश के वृक्ष का सरल, सुलभ भाषा में बहुत ही सुंदर ढंग से परिचय कराया गया है। पलाश बहुपयोगी वृक्ष है क्योंकि इसके विभिन्न अंगों का उपयोग अलग-अलग कार्यों में किया जाता है। पलाश की लकड़ी से छोटे-छोटे तख्ते, कुएँ के चाक बनाए जाते हैं। पलाश की लकड़ी जलाने के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। उसका कोयला शीघ्र आग पकड़ लेता है। इसका उपयोग गनपावडर के रूप में किया जाता है। पलाश के फूलों से तैयार किए गए रंग से होली खेली जाती है। दक्षिण भारत में स्त्रियाँ पलाश के अपने जूड़े में लगाती हैं। इसके पत्तों से पत्तल - दोने आदि बनाए जाते हैं। पलाश के पत्ते हाथियों का प्रिय भोजन है। इन्हें भैंस तथा अन्य पालतू जीव भी बड़े शौक से खाते हैं। पलाश के तने, छाल और जड़ों से कागज बनाया जाता है। इसका उपयोग रस्सियाँ बनाने में किया जाता है। लाख के कीड़े पालने के लिए भी पत्तों का उपयोग करते हैं। पलाश से गोंद भी प्राप्त होता है जिसे 'लाख' या 'कमर कस' कहते हैं। पलाश की फलियों का उपयोग देशी और आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण में काया जाता है। इस प्रकार पलाश हमारे जीवन में कई तरह से उपयोगी वृक्ष है।	**3**
4)	लेखक 'भारतेंदु हरिश्चंद्र, जी ने 'अंधेर नगरी, पाठ में 'मूर्ख राजा की मूर्ख प्रजा, रूपी अविवेकी वृत्ति से परिचित कराते हुए इससे बचे रहने की प्रेरणा दी है। महंत और उनके दो शिष्य एक नगरी में पहुँचे। दोनों शिष्य भिक्षा माँगने गए। गोवर्धनदास साढ़े तीन सेर मिठाई मोल लेकर लौटा। महंत ने नगर और राजा का नाम पूछा। गोवर्धनदास ने बताया -अंधेर नगरी, चौपट राजा, टके सेर भाजी, टके सेर खाजा। महंत ने कहा ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टका सेर भाजी, टका सेर खाजा मिलता है। गोवर्धनदास ने कहा कि गुरुजी, दूसरी जगह दिन भर माँगने पर भी पेट नहीं भरता। यहाँ तो आनंद ही आनंद है। मैं इस नगर को छोड़कर नहीं जाऊँगा। मैं तो यहीं रहूँगा। इस प्रकार गोवर्धनदास ने खुश होकर अंधेर नगरी में ही रहने का फैसला किया।	**3**
5)	लेखक राजेंद्र श्रीवास्तव जी ने 'संपन्नता, कहानी के माध्यम से हमें यह संदेश दिया है कि सांसारिक संपन्नता की अपेक्षा सांस्कारिक संपन्नता कहीं अधिक श्रेष्ठ है। बड़े साहब की बेटी टीना बेबी की वर्षगाँठ पर विनायक बाबू उनके बँगले पर इयूटी बजाने पहुँच गए। वहाँ दिन भर वे चकरघिन्नी की तरह घूमते रह गए। साहब के महल जैसे बँगले को देखकर वे हैरान रह गए। नौकर ने बताया कि ड्राइंगरूम में लगी पेंटिंग की कीमत दो लाख है और इतनी ही कीमत का काले पत्थर का एक गेंडा केन्या से आया है; सुनकर बड़े बाबू की साँस ही रुक गई। गेंडे को देखकर वे डरकर बाहर लॉन में आकर डेकोरेटर्स की मदद करने लगे। उन्हें दुख हुआ कि सुबह से वे खट रहे हैं; किसी ने पानी तक नहीं पूछा,	**3**

	चाय तो दूर है। फिर भी इन बातों पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया किंतु किसी ने मिठास से बात तक न की। मेम साहब आईं तो काम का ब्यौरा लेकर और कुछ हिदायतें देकर चली गईं। इस प्रकार बँगले में दिन भर काम करते समय विनायक बाबू ने आश्चर्य और दुःख का अनुभव किया।	
	ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	विनायक बाबू अपने घर पहुँचे तो अचानक कल्पना से यथार्थ में आ गए, जिसके कारण 'कार अकस्मात लुप्त हो गई,।	**1**
2)	बँगले में विनायक बाबू पर बड़े साहब के वैभव का नशा चढ़ गया था, बाहर आने पर वह जादू उतर गया- 'तिलिस्म टूटा, का यही अर्थ है।	**1**
3)	उनका याने विनायक बाबू का घर आ गया था।	**1**
उ.**2**.	**अ) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए :**	
1)	और नहीं **पंखों** में भी गति।	**1**
2)	दूर तक जमीन पर **शानदार** जय लिखो।	**1**
3)	बात इतनी है कि कोई **पुल** बना है।	**1**
	आ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	समय का लाभ श्रेष्ठ है।	**1**
2)	खग के पंखों से पिसकर अरिदल मिट जाएगा।	**1**
3)	कवि त्यागी जी देश के बालकों से भविष्य के लिए मिसाल छोड़ देने को कहते हैं।	**1**
	इ) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल चलना है।	**1**
2)	रुक जाना मर जाने के समान है।	**1**
3)	गतिशीलता का प्रतीक निर्झर है।	**1**
	ई) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए :	
	भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में कबीर जी ने दान का महत्व स्पष्ट किया है। दान देने से धन घटता या कम नहीं होता। नदी भी अपने जल का दान करती है। वह खुद पानी नहीं पीती, बल्कि औरों की प्यास बुझाती है। कबीर जी कहते हैं कि अपनी आँखें खोलो और दान की प्रवृत्ति का अनुसरण करो।	**3**

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :**

1) कबीर के दोहे 'संत कबीर, द्वारा रचित दोहे हैं। इन दोहों में कबीर जी ने दान के महत्व को समझाया है। संतोष, अतिथि-सेवाभाव और गुरु के महत्व को कबीर जी ने विशेष रूप से बताया है। **3**

कबीर जी ने ईश्वर से जीवन चलाने हेतु उतना ही माँगा है, जिससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। वे कहते हैं कि मैं भी भूखा न रहूँ और मेरे दरवाजे पर कोई अतिथि आए तो वह भी खाली हाथ वापस न जाए। मुझे अतिथि-सेवा का मौका जरूर मिले।

इस प्रकार कबीर जी ने जीवन में संतोष रखने अर्थात अपरिग्रही होने तथा ईश्वर से अतिथि - सेवा का भाव माँगा है।

2) कवि 'रहीम' जी 'रहीम के दोहे' कविता द्वारा हमें सहनशीलता, इज्जत की महत्ता, सही मौके पर अपने गुण प्रकट करने तथा समय का लाभ उठाने की सीख देते हैं । **3**

कवि रहीम जी ने मनुष्य को सही समय पर अपने विचार प्रकट करने का संदेश दिया हैं। उनके अनुसार जो लोग हर वक्त बोलते रहते हैं, उनकी बात को कोई महत्व नहीं देता। इसलिए वे कहते हैं कि मनुष्य की समझदारी इसी में है कि वह प्रतिकूल स्थिति में चुप रहे और जब उचित समय आए तब अपने विचार प्रकट करें। सही समय पर प्रकट किए गए विचार का बड़ा ही आदर और सम्मान होता है। यही कारण है कि मीठी आवाज में बोलने वाली कोयल जब बरसात के मौसम में मेंढ़क टर्र - टर्र की आवाज में बोलने लगता है तो वह मौन हो जाती है। उसे मालूम हो जाता है कि यह समय मेंढ़कों के बोलने का है। ऐसे समय में हमारी आवाज का कोई महत्व नहीं है।

इस प्रकार कवि रहीम ने कोयल और दादुर के उदाहरण द्वारा सही समय पर अपने विचार प्रकट करने की ओर संकेत किया है।

3) 'मेघ आए' कविता के कवि सौंदर्य प्रेमी एवं प्रकृति प्रेमी हैं। ग्रीष्म की तपन से तपे-झुलसे, सूखे पेड़, नदी, लता, ताल-मेघों के आगमन की ओर आँखें लगाए थे, मेघ रूपी मेहमान के आगमन की खुशी से सबका मनमयूर नाचने लगता है, उसके स्वागत में सभी लग जाते हैं। **3**

बादलों के आगमन पर कवि ने कई गतिशील क्रियाओं को सरल भाषा में शब्दांकित किया है, जैसे-बादल आने पर नाचती-गाती तेज ठंडी हवा चलने लगती है, उनके झोंकों से खिड़की-दरवाजे खुलने लगते हैं। गली, गाँव और शहर में यही हलचल हो रही हैं। बहती हवाओं के कारण खुशी से पेड़ भी झुककर मेघ को देखने का प्रयत्न कर रहे हैं। आँधी ने धूल का घाघरा पहनकर चारों ओर घूमना शुरू कर दिया है। बहती बयार और आँधी को

देखकर नदी भी सौंदर्य भरी तिरछी नजर से बदले हुए वातावरण को देख ठिठक गई है। क्षितिज के छत पर बिजली का चमकना, मेघों का बरसना कवि को मिलन के आँसुओं के समान लगते हैं जो रुकना नहीं जानते।

इस प्रकार कवि ने बयार, आँधी, पेड़ और नदी, अश्रु जैसी चीजों की गतिशील क्रियाओं का वर्णन किया है।

उ.3. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :

1) सुप्रसिद्ध लेखक हरिशंकर परसाई जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी, पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । **4**

चंदे के पुराने अभ्यासी का चेहरा बोलता है। चंदा माँगने वाला और चंदा देने वाला दोनों एक-दूसरे को पहले ही भाँप लेते हैं। चंदा माँगने-देने वाले दोनों एक-दूसरे के शरीर की गंध पहचान लेते हैं। लेने वाला गंध से जान लेता है कि यह देगा या नहीं और देनेवाला भी माँगने वाले को समझ लेता है कि यह बिना लिए टलेगा या नहीं। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे को पहचान लेते हैं कि ये नहीं देंगे या ये बिना लिए ही टल जाएँगे। फिर भी कर्तव्य निभाने के लिए ही चंदा माँग लेते हैं।

इस प्रकार चंदा माँगने वाले और देने वाले एक-दूसरे को पहचान लेते हैं।

2) 'गंगा बाबू हैं कौन?, रेखाचित्र के माध्यम से लेखिका गौरा पंत 'शिवाना, जी ने बिना किसी श्रेय-प्रेय की इच्छा से हिंदी के लिए आजीवन संघर्षरत सिपाही गंगा बाबू का परिचय दिया है। **4**

लेखक शिवानी जी द्वारा विद्यापीठ की अतिथिशाला में पहुँचने के कुछ समय बाद ही विद्यापीठ का माली वहाँ आया। वह एक लंबे कद का व्यक्ति था। उसका चेहरा स्याह था। वह वही पास की ही एक कोठरी में रहता था। खड़े होते समय उसकी देह तिरछी हो जाती थी। उसने लेखिका को दरवाजे - खिड़कियाँ बंद कर आराम से सोने के लिए कहा और यह भी चेतावनी दी कि वहाँ कभी - कभी करैत साँप भी घुस आता है। लेखिका को सावधान करने के बाद वह लंबी - लंबी डगें भरता हुआ अंधेरे में खो गया। उसके चले जाने के बाद भयभीत लेखिका को उस माली के रूप में यमदूत की अनुभूति हुई। माली के इस डरावने रूप को देखकर लेखिका शिवानी जी कुछ देर तो सहमी बैठी रहीं और उसके चले जाने के बाद ही उन्होंने राहत की साँस ली। सुबह होने पर वही टेढ़ा माली अपनी विचित्र मुस्कुराहट के साथ फिर उपस्थित हुआ। उसने लेखिका को सूचित किया कि गंगा बाबू उन्हें बुला रहे हैं।

इस प्रकार भयानक अतिथिशाला का माली भी अपने आप में एक अजूबा ही था।

3) लेखक 'प्रवीण कारखानीस, जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी, पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है। **4**

थंफू का राजमहल अंतःवर्ति क्षेत्र में पंद्रह-सोलह किलोमीटर दूर है। यह राजमाता का निवास-स्थान है। थिंफू नरेश दूर जंगल में बनाई हुई पर्णकुटी में रहते हैं। यह कुटी एक नदी के किनारे स्थित है। नरेश राजमहल की शान-शोभा और वैभव से दूर रहना पसंद करते हैं। नरेश अच्छे खिलाड़ी भी हैं। नरेश एक शानदार, काले रंग की 'प्यूजो, मोटरकार से चलते हैं। वे सादी पोशाक पहनते हैं। नरेश के खेलने से खेल में जान आ जाती है।

इस तरह थिंफू नरेश नदी के किनारे एक पर्णकुटी में रहते हैं।

4) 'टेसी थॉमस' रेखाचित्र में भारत को शक्तिशाली बनाने में सुश्री थॉमस के उल्लेखनीय योगदान द्‌वारा महिलाओं को ही नहीं, पुरुषों को भी प्रेरणा एवं शक्ति प्रदान की गई है। **4**

विज्ञान जगत में कोई लिंग-भेद नहीं है। वहाँ अनेक महिला वैज्ञानिक काम करती हैं। डी.आर.डी.ओ. ऐसा संगठन है जिसका अंग होने पर कोई महिला या पुरुष गर्व का अनुभव करते हैं। मिसाइल कार्यक्रम के जनक डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम माने जाते हैं। सुश्री थॉमस ने इस कार्यक्रम को सफलता की बुलंदियों तक पहुँचाया है। अग्नि-V की सफलता के बाद अब उन्होंने अपनी आँखें मल्टीपल इंडिपेंडेंट री-एंट्री वीइकल पर केंद्रित कर दी हैं। ऐसे ही उत्कृष्ट व्यक्तियों के महान कार्यों द्‌वारा भारत ने गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है।

इस तरह विश्व के शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच भारत को सम्मानजनक स्थान प्राप्त हुआ है।

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1) **'अपनी-अपनी बीमारी,** **8**

'अपनी-अपनी बीमारी, रचना द्‌वारा प्रतिनिधि व्यंग्यकार परसाई जी ने अमीरी-गरीबी का स्पष्ट चित्रण किया है। एक तरफ संपन्न वर्ग को टैक्स भरने की बीमारी है, तो दूसरी तरफ गरीब को खटका है कि ४०रुपए का बिजली का बिल न भरने के कारण कहीं उसका बिजली का कनेक्शन न कट जाए।

लेखक चंदा माँगने गया था। चंदा लेने वाले और देने वाले एक-दूसरे को भाँप लेते हैं। लेखक ने जान लिया कि ये चंदा देने वाले नहीं हैं और देने वाला भी यह समझ गया कि ये बिना लिए टल जाएँगे। फिर भी कर्तव्य निभाने के लिए लेखक ने चंदा माँगा। देनेवाले ने अपनी मजबूरी बताई कि वे टैक्स के मारे मरे जा रहे हैं। लेखक की तमन्ना है कि टैक्स की बीमारी उसे भी लग जाती। काश! वह भी टैक्स की बीमारी से मरता! पर उसका ऐसा सौभाग्य कहाँ!

लेखक के पास एक आदमी आता था, जो दूसरों की बेईमानी की बीमारी से मरा जा रहा था। वह गांधीजी के नाम से चलने वाले किसी प्रतिष्ठान में काम करता था पर गांधीजी

का नाम होने से वह बेईमानी नहीं कर पाता था। अगर प्रतिष्ठान का नाम कुछ और हो जाता, तो वह भी औरों जैसा करता और स्वस्थ रहता।

लेखक के साथ 2-3 बंधु बैठे थे। एक बंधु अपना दुख व्यक्त कर रहे थे। वे आठ कमरों का मकान बनवाना चाहते थे पर आर्थिक तंगी के कारण 2 कमरे नहीं बनवा पाए। वे बहुत दुखी थे पर लेखक उनके दुख से दुखी नहीं हो सके क्योंकि उन्हें बिजली के बिल के 40 रुपए का खटका था।

एक बंधु पुस्तक विक्रेता थे। पिछले साल 50 हजार की पुस्तकें बिकी थीं, इस साल 40 हजार की। वे बहुत दुखी हैं लेकिन उनकी इच्छानुसार लेखक दुखी नहीं हो पाया। उसने 100 पुस्तकें बंधु के पास रखी थीं, वे बिक गईं। पैसे माँगने पर वे हँसने लगते हैं। व्यंग्यकार अपने पैसे माँगे, तो उसे व्यंग्य-विनोद में शामिल कर लिया जाता है। लेखक के मन में बिजली कटने का खटका लगा हुआ था।

तीसरे बंधु की रोटरी मशीन आ गई है पर मोनो मशीन न आ सकने के कारण वे दुखी हैं। लेखक फिर दुखी नहीं हो पाता।

लेखक सोचता है कि कैसी त्रासदी है कि किसी का मकान ६ कमरों का ही रह जाता है। निर्दय दुनिया किसी की मात्र 40 हजार की पुस्तकें खरीदती हैं। किसी की मोनो मशीन नहीं आ पा रही है।

तरह-तरह के संघर्ष में तरह-तरह के दुख हैं। एक जीवित रहने का संघर्ष है और एक संपन्नता का संघर्ष है। लेखक सोचता है कि वे सज्जन प्रॉपर्टी समेत टैक्सों की बीमारी उसे दे देते, तो खुशी से वह मर जाता, पर उसे किसी टुच्ची बीमारी से ही मरना है।

लेखक ने अमीरी-गरीबी का अंतर स्पष्ट करते हुए अमीरों की मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है।

2) **'टेसी थॉमस'** **8**

'टेसी थॉमस, रेखाचित्र में भारत को शक्तिशाली बनाने में सुश्री थॉमस के उल्लेखनीय योगदान द्वारा महिलाओं को ही नहीं, पुरुषों को भी प्रेरणा एवं शक्ति प्रदान की गई है।

आज महिलाएँ वैज्ञानिक शोध, खेल, चिकित्सा-विज्ञान, शिक्षण, अंतरिक्ष-अनुसंधान, रक्षा, पर्फामिंग आर्ट्स, लेखन आदि सभी क्षेत्रों में यश प्राप्त कर रही हैं। अध्ययन एवं अतुलित बौद्धिक क्षेत्रों में भी महिलाएँ अग्रणी हैं। आज नारी अबला नहीं, सबला है। सुश्री टेसी थॉमस ने पुरुषों के वर्चस्ववाले मिसाइल जगत में अद्वितीय धैर्य और साहस के साथ उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। आप भारत द्वारा प्राप्त ऐतिहासिक वैज्ञानिक उपलब्धि-19 अप्रैल को सफलतापूर्वक संपन्न अग्नि-V मिसाइल लाँच की प्रोजेक्ट डाइरेक्टर थीं।

सुश्री थॉमस का जन्म शांत-निश्चल शहर अलप्पुझा, केरल में हुआ। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य दर्शनीय है। आप लंबी, सुंदर, सुशीला एवं प्रतिभाशालिनी हैं। गणित और विज्ञान बचपन से आपको प्रिय रहे हैं। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में कार्य करना आपका सपना रहा। आप राष्ट्रीय स्तर पर 10 युवाओं में चयनित हुईं। आपने डी.आर.डी.ओ. पुणे,

	गाइडेड मिसाइलों की फैकल्टी के रूप में कार्य किया। आपको मिसाइल कार्यक्रम के जनक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का नेतृत्व मिला। आप वीइकल और मिशन की प्रोजेक्ट डाइरेक्टर अग्नि-iV की मुखिया बनीं। अपने मिसाइल प्रेम के कारण ही आपने अपने बेटे का नाम तेजस रखा। आपने अपने पसंदीदा मनोरंजन बैडमिंटन को भी छोड़कर आश्चर्यजनक ढंग से स्वयं को अग्नि मिसाइल कार्यक्रम के नवीनतम संस्करणों में संलग्न रखा। सुश्री थॉमस को इस बात का गर्व है कि वे डी.आर.डी.ओ. जैसे संगठन की अंग हैं। आपने अग्नि-V की सफलता के बाद अपनी आँखें मल्टिपल इंडिपेंडेंट री-एंट्री वीइकल पर केंद्रित कर दी हैं। आप जैसे महान वैज्ञानिकों के असाधारण कृत्यों के बल पर ही आज भारत विश्व के शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच गौरवशाली स्थान प्राप्त कर सका है।	
उ.**4**.	**अ) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**	
1)	परिश्रम करोगे **तो** सफलता अवश्य मिलेगी।	**1**
2)	डॉक्टर बनने के लिए **बहुत** पढ़ना पड़ता है।	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :	
1)	देखा - क्रिया।	**1**
2)	कर्तव्य - संज्ञा।	**1**
	इ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :	
1)	आवाज रामू की बहू के कान में <u>पहुँचेगी।</u>	**1**
2)	आनंद का क्षण आ <u>जाता है।</u>	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :	
1)	लगा **(लगना)** - सहायक क्रिया।	**1**
2)	दो **(देना)** - सहायक क्रिया।	**1**
	अथवा **निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**	
1)	चार सिपाही उसे पकड़कर ले **चले**।	**1**
2)	आओ कुछ दूर घूम **आएँ**।	**1**

	उ) **निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :**	
	मूलक्रिया **प्रथम प्रेरणार्थक रूप** **द्वितीय प्रेरणार्थक रूप**	
1)	नाचना नचाना नचवाना	**1**
2)	पढ़ना पढ़ाना पढ़वाना	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :	
1)	**चढ़ाया** - प्रथम प्रेरणार्थक रूप।	**1**
2)	**मँगवाया** - द्वितीय प्रेरणार्थक रूप।	**1**
	ऊ) **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :**	
1)	**प्रकृति सौंदर्य का** जादू काम कर **गया**।	**1**
2)	'मक्के की रोटी, और 'सरसों **का** साग, आज **का** मेनू **रहेगा**।	**1**
3)	शराबी **का** नशा उतर **गया**।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :	
1)	''अरे, रुपए का लोभ बहू से बढ़ गया?''	**1**
2)	इसे संस्कृत में 'किंशुक' (क्या यह शुक है ?) कहा गया है।	**1**
3)	मैंने कहा, ''भैया मत रोओ, सिर दुखेगा।''	**1**
	ए) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**	
1)	**मस्तक नवाना** – सिर झुकाना।	**1**
	वाक्य : बहादुर सैनिक दुश्मन के सामने कभी **<u>मस्तक नहीं नवाते</u>।**	
2)	**माथे पर बल पड़ना** - चिंतित होना।	**1**
	वाक्य : चक्रव्यूह रचना की खबर सुनकर युधिष्ठिर के **<u>माथे पर बल पड़ गए</u>।**	
3)	**ताँता बँध जाना** – कतार लग जाना, भीड़ लगना।	**1**
	वाक्य : अभिनेत्री को देखने के लिए लोगों का **<u>ताँता बँध गया</u>।**	
4)	**ठुकरा देना** – इनकार करना।	**1**
	वाक्य : आंदोलनकारियों की माँग को सरकार ने **<u>ठुकरा दिया</u>।**	
5)	**सिहर जाना** - काँप उठना।	**1**
	वाक्य : बम-विस्फोट की खबर सुनकर हम सब **<u>सिहर गए</u>।**	

	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :	
1)	दरवान के सामने से माल चोरी हो रहा था पर उसने **<u>निगाह न डाली।</u>**	**1**
2)	कम्प्यूटर के युग में अब टाइपराइटरों का **<u>नाम - निशान नहीं रहा।</u>**	**1**
3)	परीक्षा में अच्छे अंको से पास होने पर सुरेश **<u>फूला न समाया।</u>**	**1**
4)	मनीषा ने अपनी गलती पर पिताजी के **<u>पैर पकड़े।</u>**	**1**
5)	पुलिस को देखकर चोर **<u>चंपत हो गया।</u>**	**1**
उ.**5**.	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer masterkey - page no. 207 Q. 38	**10**
2)	Refer masterkey - page no. 188 Q. 8	**10**
3)	Refer masterkey - page no. 205 Q. 34	**10**
4)	Refer masterkey - page no. 203 Q. 31	**10**
उ.**6**.	**अ) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए :**	
1)	Refer masterkey - page no. 221 Q. 13	**4**
2)	Refer masterkey - page no. 220 Q. 12	**4**
	अथवा	
	निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :	
	<u>शान और शांति से रहने वालों के लिए</u> बिकाऊ है कलानगर बांद्रा (ईस्ट) में एक / दो / तीन बेडरूमवाले शानदार फ्लैट्स । आधुनिक सुविधाएँ, स्टैंप ड्युटी, रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था, 24 घंटे पानी। बच्चों के खेलने के लिए उद्यान। हनुमान मंदिर, स्कूल और अस्पताल निकट । स्टेशन से 5-7 मिनट के अंतर पर । **भाव** : 14800 प्रतिवर्ग फुट । **संपर्क** : रामभाई पटेल । **मोबाईल** : 9892250498 **साइट पर मिलने का समय** : सुबह 10 से 1, सायं 5 से 8	**4**

आ) **निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है :** **4**

Refer masterkey - page no. 222 Q. 1

इ) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :**

1) भिखारी ने किसकी तरफ ध्यान नहीं दिया? **1**

2) प्रचारक ने भिखारी के बारे में बुद्ध से क्या शिकायत की? **1**

3) भगवान बुद्ध ने क्या ताड़ लिया? **1**

4) भिखारी को किस उपदेश की आवश्यकता थी? **1**

❐❐❐❐❐